उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, जिला – नैनीताल

शोध परिषद की द्वितीय बैठक का कार्यवृत्त

प्रोफेसर एच0पी0शुक्ल, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा की अध्यक्षता में, दिनांक 15 अक्टूबर 2020 (वृहस्पतिवार) को पूर्वाह्न 11:30 बजे उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की **शोध परिषद की द्वितीय बैठक** विश्वविद्यालय सभागार में आहूत की गयी, जिसमें निम्न वाह्य एवं आन्तरिक सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया :-

1. प्रोफेसर एच0पी0शुक्ल, — अध्यक्ष
   मानविकी विद्याशाखा,
   उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।
2. प्रोफेसर बी0एस0 बिष्ट, — सदस्य
   पूर्व कुलपति, गो0ब0पंत कृषि एवमं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर
3. प्रोफेसर के0एम0 बहरूल इस्लाम, — सदस्य
   इन्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमैंट, काशीपुर।
4. प्रोफेसर डी0 के0 सिंह, — सदस्य
   महानिदेशक,
   उत्तराखण्ड बायोटैक्नोलौजी परिषद, हल्दी, पंतनगर।
5. प्रोफेसर एस0आर0 झा, — सदस्य
   प्राध्यापक भौतिकी,
   विज्ञान विद्याशाखा, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
6. प्रोफेसर डी0 पी0 सकलानी, — सदस्य
   प्राध्यापक,
   एच0 एन0 बी0 गढवाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर।
7. डॉ0 आर0 एस0 रावल, — (विशेष आमंत्रित सदस्य)
   निदेशक,
   जी0बी0 पंत हिमालयन पर्यावरण एवमं विकास संस्थान, कोसी कटारमल, अल्मोड़ा।
8. प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र — सदस्य
   निदेशक अकादमिक एवमं,
   प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य, स्वास्थ्य एवं योग विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।
9. प्रोफेसर दुर्गेश पंत, — सदस्य
   निदेशक,
   कम्प्यूटर साइंस एवमं व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।
10. प्रोफेसर पी0डी0 पंत, — सदस्य
    निदेशक,
    परीक्षा नियंत्रक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।

11. प्रोफेसर गोविन्द सिह, सदस्य
निदेशक, पत्रकारिता एवमं मीडिया अध्ययन व कुलसचिव,
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।

12. प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे, सदस्य
सचिव
निदेशक, समाज विज्ञान/विधि,
अध्ययन विद्याशाखा एवं शोध एवं नवाचार
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।

सर्वप्रथम सदस्य सचिव (शोध परिषद) द्वारा माननीय अध्यक्ष तथा सभी उपस्थित सदस्यों का शोध परिषद की द्वितीय बैठक में स्वागत किया गया। सदस्य सचिव ने विशेष रूप से शोध परिषद की द्वितीय बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्यों प्रोफेसर बी0एस0 बिष्ट एवमं प्रोफेसर डी0 के0 सिंह एवमं आनलाईन प्रतिभाग करने के लिये प्रोफेसर के0 एम0 बहरूल इस्लाम, प्रोफेसर एस0 आर0 झा0, प्रोफेसर डी0 पी0 सकलानी,डा0 रणवीर सिंह रावल का आभार व्यक्त किया कि उन्होने इस बैठक हेतु अपना अमूल्य समय निकाला। ततपश्चात अध्यक्ष ने सभी बाह्य एवमं आन्तरिक सदस्यों का स्वागत करते हुए अपेक्षा की कि सभी सदस्यों के सुझावों एवमं मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय के शोध उपाधि पाठ्यक्रम को गुणवत्तापूर्ण बनाने में सहायता मिलेगी। अध्यक्ष ने सदस्य सचिव से बैठक की कार्यवाहीआरम्भ करने का आग्रह किया।

सदस्य सचिव द्वारा कार्यसूची के विभिन्न बिन्दुओं पर अपनी सहयोगी सहायक निदेशक डॉ0 मंजरी अग्रवाल के सहयोग से पावर प्वाइंट के माध्यम से प्रस्तुति की तथा विभिन्न बिन्दुओं को विस्तार से माननीय सदस्यों के सम्मुख रखा। परिषद द्वारा कार्यसूची में दिये गये बिन्दुओं पर निम्नवत निर्णय लिये गये :-

बिन्दु संख्या – 1.0 शोध परिषद की प्रथम बैठक दिनांक 17 मार्च 2017 के कार्यवृत्त पर सदस्य सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि शोध परिषद की प्रथम बैठक के कार्यवृत्त पर कोई सुझाव अथवा संशोधन प्राप्त नहीं हुआ है। **परिषद द्वारा उक्त कार्यवृत्त की पुष्टि की गई।**

बिन्दु संख्या – 2.1 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग शोध उपाधि विनियम 2016 (तृतीय संशोधन) के आलोक में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय शोध उपाधि अध्यादेश 2016 में समावेशित किये गये प्रावधानों पर विद्यापरिषद की 15 वीं बैठक में लिये गये अनुमोदन से परिषद के संज्ञानार्थ प्रस्तुत किये गये। **परिषद उपरोक्त परिवर्तनों एवं संशोधनों से अवगत हुई।**

बिन्दु संख्या - 2.2 संशोधित शोध उपाधि अध्यादेश 2016 (2018) में नव प्रख्यापित प्रावधानों (यथा अनुच्छेद 6, 7, 9 एवं 11) के आलोक में पीएच0डी0 पाठ्यक्रम हेतु अकादमिक सत्र 2020 के लिये बनाई गई विवरणिका तथा दिशा निर्देशों में संशोधन को परिषद के सम्मुख रखा गया। **परिषद उपरोक्त संशोधनों से अवगत हुई।**

बिन्दु संख्या – 03 पीएच0डी0 पाठ्यक्रम प्रवेश हेतु सत्र 2020 के लिये विभिन्न विद्याशाखाओं के अन्तर्गत विषय एवं श्रेणीवार रिक्त व **विज्ञापित स्थानों/सीटों से परिषद अवगत हुई।**

बिन्दु संख्या – 4.1 प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम पूर्व की भॉति अनुमोदित UGC/CSIR/ICAR/ASRB द्वारा आयोजित NET परीक्षा पाठ्यक्रम के अनुरूप रखने तथा कतिपय प्रस्तावित संशोधनों के साथ अपनाये जाने पर विचार किया गया। प्रश्नपत्र का भाग एक यूजीसी विनिमय में दिये गये प्रावधानुसार संशोधित रूप में तथा भाग दो प्रावधानुसार निर्मित किये जाने पर **सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।**

बिन्दु संख्या – 4.2 पीएच0डी0 पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा में साक्षात्कार व उसके उपरान्त श्रेष्ठता सूची निर्धारण के लिये अपनाई जाने वाली प्रक्रिया परिषद के समक्ष विस्तार से रखी गई। **उपरोक्त प्रक्रिया पर परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।**

बिन्दु संख्या - 5.1 सदस्य सचिव द्वारा सत्र 2020 से लागू किये जाने वाले पाठ्यकार्य का विवरण देते हुये परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अपने पत्र संख्या D.O.No. F1-1/2018 (Journal/CARE) दिसम्बर 2019 के द्वारा पाठ्यकार्य में रिसर्च एण्ड पब्लिकेशन एथिक्स (आर0पी0एम0) को एक माड्यूल के रूप में सम्मिलित लिये जाने की अपेक्षा की है। सदस्य सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त माड्यूल के कतिपय अंश माड्यूल एक व तीन में रखे गये हैं। प्रो0 बहरूल इस्लाम, प्रो0 एस0 आर0 झा0 , प्रो0 आर0 सी0 मिश्र ने सुझाव दिया कि रिसर्च एवं पब्लिकेशन एथिक्स सम्बन्धी यह माड्यूल अत्यंत आवश्यक है जिसे शोधार्थियों को लगातार बताया जाना चाहिये ताकि शोधकार्य की गुणवत्ता बनी रहे। सदस्यों द्वारा सुझाव दिया गया कि प्रथम एवं तृतीय मॉड्यूल्स से कतिपय अंशो को हटा कर उपरोक्त के 02 क्रेडिट कम करते हुये दो क्रेडिट के इस मॉड्यूल को पाठ्यकार्य में शामिल कर लिया जाय। **परिषद द्वारा सर्वसम्मति से इस पर अनुमोदन प्रदान किया गया (परिवर्तित पाठ्यक्रम सन्दर्भ हेतु संलग्न)** ।

बिन्दु संख्या – 5.2 पाठ्यकार्य माड्यूल्स परीक्षा प्रश्नपत्र के प्रस्तावित स्वरूप पर विचार किया गया। **परिषद द्वारा प्रश्नपत्र प्रारूप पर अनुमोदन प्रदान किया गया।**

बिन्दु संख्या – 5.3 पाठ्यकार्य पूर्ण होने पर आनलाईन पद्धति से मूल्यांकन किये जाने सम्बन्धी प्रकिया अपनाये जाने पर परिषद द्वारा विचार किया गया। सदस्य सचिव द्वारा परिषद के संज्ञान में लाया गया कि इस बार कोविड – 19 के कारण पाठ्यकार्य के उपरान्त पाठ्यकार्य परीक्षा आयोजित किये जाने में अत्यधिक कठिनाई हुई है। भविष्य में यदि कभी ऐसी स्थिति उत्पन्न हो तो विश्वविद्यालय नियमों के अनुसार आनलाईन परीक्षा के विकल्प पर भी विचार किया जाये। प्रो0 एस0 आर0 झा का सुझाव था कि ऐसी स्थितियों में अन्य विकल्प चुनने पर अकादमिक गुणवत्ता में किसी तरह का समझौता नहीं किया जाना चाहिये और पूर्णरूप से पारदर्शी व Proctord प्रणाली विकसित की जानी चाहिये। परिषद द्वारा सुझाव दिया गया कि विश्वविद्यालय की विद्यापरिषद में उक्त प्रकरण पर विचार कर दिशा निर्देश निर्धारित लिये जाने चाहिए। **इस पर निर्णय अन्तिम निर्णय लिये जाने के लिये कुलपति जी को अधिकृत किया गया।**

बिन्दु संख्या – 6.0 पाठ्यकार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न करने वाले शोधार्थियों को दिये जाने वाले अंकपत्र (Transcript) एवम प्रमाणपत्र का स्वरूप परिषद के विचारार्थ प्रस्तुत किये गये। **उपरोक्त पर परिषद द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।**

बिन्दु संख्या – 07 अन्य प्रसंग अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।

(1) शासकीय उच्च शोध संस्थानों के साथ एम0ओ0यू0 किया जाना

माननीय सदस्यों ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय में शोध गुणवत्ता बढाने के लिये देश एवं विदेश के उच्च स्तरीय सार्वजनिक शोध संस्थानों के साथ संयुक्त रूप से अर्न्तविषयी शोध (Interdisciplinary research) को बढावा दिया जाना चाहिए। प्रोफेसर के0 एम0 बहरूल इस्लाम , डॉ0 रणवीर रावल, प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने विश्वविद्यालय एवमं ऐसे संस्थानों के साथ एम0ओ0यू0 किये जाने का सुझाव दिया।

परिषद ने इस प्रस्ताव की सराहना की और सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जिन संस्थानों के साथ समझौता किया जाय वहॉ के वैज्ञानिकों को पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में सम्बन्धित विषय में सह निदेशक बनाया जा सकता है। इस हेतु विश्वविद्यालय द्वारा अलग से दिशा निर्देश बनाये जाने चाहिये।

(2) विश्वविद्यालय द्वारा बनाई गई रिसर्च एण्ड पब्लिकेशन एथिक्स पालिसी एवमं कन्सन्टेंसी पालिसी से परिषद को अवगत कराया गया। **परिषद ने उक्त की सराहना की।**

16.10.2020
(अध्यक्ष)

(सदस्य सचिव) 16/10/2020

प्रतिहस्ताक्षरित
कुलपति 9/11/2020.

कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी जिला नैनीताल (उत्तराखण्ड)